राजधानी से प्रकाशित RNI NO. UPHIN/2010/33668

अंदाज़-ए-लखनऊ

सुल्तानपुर, हापुड़ एवं शाहजहांपुर में प्रसारित हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष-11 अंक-20 लखनऊ, शनिवार 26 दिसम्बर, 2020 पृष्ठ : 8 मूल्य : एक रूपया

पांच दौर की वार्ता का नहीं निकला कोई नतीजा !

सरकार ने किसान यूनियनों को फिर किया आमंत्रित

नयी दिल्ली। सरकार ने प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों को वार्ता के लिए बृहस्पतिवार को फिर आमंत्रित किया, लेकिन स्पष्ट किया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित किसी भी नयी मांग को एजेंडे में शामिल करना ''तार्किक'' नहीं होगा, जिसका नए कृषि कानूनों से कोई संबंध नहीं है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव विवेक अग्रवाल ने 40 किसान नेताओं को लिखे तीन पन्नों के पत्र में कहा, ''मैं आपसे फिर आग्रह करता हूं कि सरकार प्रदर्शन को समाप्त कराने के लिए सभी मुद्दों पर खुले मन से और अच्छे इरादे से चर्चा करती रही है और ऐसा करती रहेगी। कृपया (अगले दौर की वार्ता के लिए) तारीख और समय बताएं।''

सरकार और किसान संगठनों के बीच पिछले पांच दौर की वार्ता का अब तक कोई नतीजा नहीं निकला है। दिल्ली की सीमाओं पर लगभग एक महीने से प्रदर्शन कर रहे किसान तीनों नए कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की मांग पर अड़े हैं। अग्रवाल ने किसान यूनियनों से कहा कि वे उन अन्य मुद्दों का भी ब्योरा दें जिनपर वे चर्चा करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि वार्ता मंत्री स्तर पर नयी दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में

होगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुद्दे पर अग्रवाल ने कहा कि कृषि कानूनों का इससे कोई लेना-देना नहीं है और न ही इसका कृषि उत्पादों को तय दर पर खरीदने पर कोई असर पड़ेगा।

जमीन से हवा में मार करने में सक्षम मध्यम रेंज की मिसाइल का सफल परीक्षण, श्रीपद नाइक ने DRDO को दी बधाई

पणजी। केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने बृहस्पतिवार को जमीन से हवा में मार करने में सक्षम मध्यम रेंज की मिसाइल (एमआरएसएएम) के प्रक्षेपण के लिए बृहस्पतिवार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को बधाई दी। भारत ने जमीन से हवा में मार करने में सक्षम मध्यम रेंज की मिसाइल (एमआरएसएएम) का बुधवार को ओडिशा के तट से सफल परीक्षण किया था।

नाइक ने ट्वीट किया, '' डीआरडीओ को ओडिशा के तट से कल जमीन से हवा में मार करने में सक्षम मध्यम रेंज की पहली मिसाइल के प्रक्षेपण के लिए बधाई। ''' भारत डायनामिक्स लिमिटेड' ने एमआरएसएएम का निर्माण किया है। सूत्रों ने बुधवार को बताया था कि भारतीय सेना में इसको शामिल करने से रक्षा बलों की युद्धक क्षमता में और बढ़ोतरी होगी।

नितिन गडकरी ने राजस्थान में 8,341 करोड़ की सड़क परियोजनाओं का किया उद्घाटन, आधारशिला भी रखी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को राजस्थान में 8,341 करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया और आधारशिला रखी। वीडियो कांफ्रेन्स के जरिये आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सड़क परिवहन, राजमार्ग और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) मंत्री ने यह भी कहा कि एक लाख करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाओं पर काम या तो जारी है या फिर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर)के स्तर पर है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''सड़क परिवहन, राजमार्ग और एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने राजस्थान में आज (बृहस्पतिवार)को 18 राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया और आधारशिला रखी।'' कुल 8,341 करोड़ रुपये के निर्माण मूल्य वाली परियोजनाओं के अंतर्गत आने वाली सड़कों की लंबाई करीब 1,127 किलोमीटर है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने की। केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, वी के सिंह, अर्जुन राम मेघवाल और कैलाश चौधरी तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्द्धन राठौड़ के साथ राज्य के कई मंत्री भी कार्यक्रम में शामिल हुए। बयान के अनुसार इन परियोजनाओं से राज्य के भीतर और दूसरे राज्यों में वाणिज्यिक वस्तुओं का परिवहन सुगम होगा, सीमाओं तक संपर्क व्यवस्था बेहतर होगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पर्यटन तथा अन्य ढांचागत विकास को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर या तो काम जारी है या फिर डीपीआर के चरण में हैं। उन्होंने कहा, ''मंत्रालय का 2021-22 तक 35,000 करोड़ रुपये की लागत से 2,700 किलोमीटर लंबी राजमार्ग परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य है। इसके अलावा 30,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 2,500 किलोमीटर सड़क मार्ग 2023-24 तक पूरा होगा।'' इसके अलावा 50,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 2,811 किलोमीटर सड़क मार्ग के लिये डीपीआर तैयार की जा रही है। गडकरी ने राज्य सरकार को राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्ग के नेटवर्क के विकास में पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2000 से केंद्रीय सड़क और बुनियादी ढांचा कोष (सीआरआईएफ) से राज्य के लिये 6,556 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गयी है। इसमें से 4,574 करोड़ रुपये अब तक जारी किये जा चुके हैं।

आप सभी क्षेत्रवासियो, नगरवासियो व देशवासियो को

राष्ट्रीय हिन्दी साप्तहिक समाचार पत्र

'अन्दाज-ए-लखनऊ' टीम की ओर से

नव वर्ष 2021 की

हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादक
अली हसन

भाजपा का गांव-किसान से कभी कोई रिश्ता नहीं: अखिलेश यादव

सपा ने चौधरी चरण सिंह का जन्मदिवस किसान दिवस' के रूप में मनाया

लखनऊ। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का 118वां जन्मदिवस आज समाजवादी पार्टी ने 'किसान दिवस' के रूप में मनाया। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं-नेताओं ने उनका नमन करते हुए उन्हें पुष्पांजलि दी। प्रत्येक जनपद में इस अवसर पर चौधरी साहब के राजनीतिक योगदान की चर्चा की गई और किसानों के हित में उनके द्वारा किए गए कामों का स्मरण किया गया। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में चौधरी चरण सिंह के चित्र पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने माल्यार्पण किया। उन्होंने चौधरी साहब के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प दिलाया। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी भी साथ में मौजूद थे। इस अवसर पर सैकड़ों नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा राजधानी में चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट अमौसी स्थित चौधरी साहब की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की गई।

अखिलेश यादव ने कहा कि आज भाजपा के राज में देश के इतिहास में एक ऐसा किसान दिवस आया है, जब उत्सव के स्थान पर देश का किसान सड़कों पर संघर्ष करने पर मजबूर है। भाजपा किसानों का अपमान करना छोड़े! क्योंकि देश का किसान भारत का मान है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का गांव-किसान से कभी कोई रिश्ता नहीं रहा। वह तो कारपोरेट की पोषक है। इन दिनों किसानों के आक्रोश को देखते हुए वह चौधरी साहब के प्रति दिखावटी सम्मान प्रदर्शित करते बड़े-बड़े सरकारी विज्ञापनों में स्मरण की निरर्थक एक्सरसाइज कर रही है। चौधरी साहब के प्रति यह पहली बार स्नेह उमड़ा है। चौधरी साहब की बड़ी फोटो लगाने का क्या अर्थ जबकि भाजपा का दिल ही बड़ा नहीं है। वैसे भी सरकार यह न समझे कि चौधरी साहब के नाम पर धूमधड़ाका करके किसानों की आवाज को वह दबा सकेगी या उनमें भ्रम फैला देगीं। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की बात सुनना नहीं चाहती है। वह किसानों को डराने धमकाने में लगी है। भाजपा का किसान विरोधी आचरण चौधरी साहब के प्रति कृतज्ञता नहीं कृतघ्नता ही प्रदर्शित करता है। चौधरी साहब के नाम पर किसान सम्मान जैसा आडम्बर चलने वाला नहीं है। भाजपा की विरोधाभासी नीतियों से कोई अब गुमराह करने की कोई साजिश सफल नहीं होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि धान-गन्ना की अपनी ही कमाई के लिए किसान भटक रहे है। एमएसपी का अतापता नहीं। क्रय केन्द्रों पर भी किसान को परेशान किया जाता है। समय से भुगतान भी नहीं होता है। किसान के साथ जो वादे किए गए थे, वे पूरे नहीं किए गए। उल्टे तीन कृषि कानून लाकर उनकी खेती कारपोरेट को बेचने की तैयारियां की जा रही है। कंपकंपाती ठण्ड में किसान सड़कों पर है और इसको वापस लिए जाने की मांग कर रहे है जिसमें दो दर्जन से ज्यादा किसान शहीद हो गए है। फिर किस मुंह से भाजपा अपने को किसान हितैषी बता रही है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा समाज में भाईचारे को समाप्त करना चाहती है। उसका एजेण्डा समाज में नफरत पैदा करना है। समाज की स्वस्थ परम्पराओं को नष्ट करना उसका तौरतरीका है। कट्टरता और असहमति का भाजपा प्रसार करती है। मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं से परे वह लोकतांत्रिक भावनाओं के साथ धोखा करती हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की आर्थिक नीतियां वही है जो चौधरी साहब की रही हैं। उन्होंने केंद्र में वित्तमंत्री रहते बजट का 70 प्रतिशत हिस्सा गांवों को दिया था। उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार ने कुल बजट का 75 प्रतिशत गांव-खेती के लिए देकर उनका अनुसरण किया था। उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार ने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए थे। किसानों के लिए मंडी व्यवस्था और सहकारिता क्षेत्र को मजबूती दी। किसानों को समय से कर्ज, खाद-बीज उपलब्ध कराया। गन्ना किसानों को लाभप्रद मूल्य दिया। श्री यादव ने कहा कि चौधरी साहब ने जमींदारी प्रथा का उन्मूलन कर किसानों को भूमिधर बनाया। भूमि संरक्षण कानून लागू किया। चौधरी साहब मानते थे कि किसानों की खुशहाली से ही देश खुशहाल होता है। चौधरी साहब का कहना था कि खेतों से किसानों के स्वाभाविक लगाव की वजह से देश में सहकारी खेती सफल नहीं होगी। इसके लिए वे तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू जी का विरोध करने में नहीं हिचकिचाए थे। चौधरी साहब की सामाजिक नीतियों में जातिवाद का तीखा विरोध था। नौकरियों में इसकी अनिवार्यता पर वे बल देते थे। समाज में वे सामाजिक समरसता के हिमायती थे।

किसानों पर दमन के दुस्साहस का न सोचे मोदी सरकार: मजदूर किसान मंच

एआईपीएफऔर मंच के कार्यकर्ताओं ने रखा उपवास

लखनऊ। किसान विरोधी कानूनों की वापसी, एमएसपी पर कानून बनाने, विद्युत संशोधन विधेयक रद्द करने की मांगों पर जारी किसानों के आंदोलन केद्वारा राष्ट्रव्यापी उपवास की अपील पर आज आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट औरमजदूर किसान मंच के कार्यकर्ताओं ने अन्न त्याग किया। यह जानकारी एआईपीएफके राष्ट्रीय प्रवक्ता एस. आर. दारापुरी व मजदूर किसान मंच के महासचिव डा.बृज बिहारी ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में दी। आज के कार्यक्रमों में लिएसंकल्प प्रस्ताव में कहा गया कि अम्बानी-अडानी की सेवा में लगी मोदी सरकारऔर आरएसएस देश हित में उठाई जा रही किसानों की मांगों को स्वीकार करने कीजगह जनता को गुमराह कर रहेहैं। सच तो ये है कि प्रधानमंत्री मोदी और उनकेमंत्री व नेता यदि न्यूनतम समर्थन मूल्य देने के प्रति ईमानदार हैं तो वेक्यों नहीं इसके लिए कानून बनाने की पहल करते, जो किसानों की प्रमुख मांगहै। ये भी सच है कि सरकार खुद किसानों से वार्ता न करने का राजहठ ठानी हुईहै और किसानों पर वार्ता न करने का आरोप लगा रही है। दरअसल सरकार की मंशाकिसान आंदोलन के दमन की है। लेकिन उसे यह याद रखना होगा कि शांतिपूर्णलोकतांत्रिक ढंग से चल रहा किसान आंदोलन अब देश का जनांदोलन बन गया है औरइसके दमन के किसी भी दुस्साहसिक कदम से उसको भारी नुकसान उठना पड़ेगा। प्रस्ताव में कहा गया कि खेती किसानी को बर्बाद करने के लिए सरकारद्वारा लिए कारपोरेटीकरण के कांट्रेक्ट फार्मिंग के रास्ते की जगह सहकारी रास्ते से ही कृषि प्रधान भारत को आर्थिक मजबूती की तरफले जाया जा सकताहै। आज जरूरत देश की अस्सी प्रतिशत छोटी मझोली खेती के सहकारी करण की है। जिसमें दो तीन गांव का कलस्टर बनाकर ब्याज मुक्त कर्ज, सस्ती लागत सामग्री, गांव स्तर पर फसल की एमएसपी पर खरीद, उसके संरक्षण और वितरण की व्यवस्थाकरने और कृषि आधारित उद्योग लगाने की है। इसे करने की जगह आरएसएस और भाजपाके लोग अम्बानी-अडानी जैसे कारपोरेट घरानों के हितों के लिए राजहठ कर रहेहैं। उन्हें हठधर्मिता को त्यागकर कानूनों को रद्द करना चाहिए और एमएसपी परकानून बनाना चाहिए। आज हुए कार्यक्रमों का नेतृत्व बिहार केसीवान में पूर्व विधायक व एआईपीएफ प्रवक्ता रमेश सिंह कुशवाहा, पटना मेंएडवोकेट अशोक कुमार, लखीमपुर खीरी में एआईपीएफके प्रदेश अध्यक्ष डा. बी.आर. गौतम, सीतापुर में मजदूर किसान मंच नेता सुनीला रावत, युवा मंच केनागेश गौतम, अभिलाष गौतम, लखनऊ में वर्कर्स फ्रंट अध्यक्ष दिनकर कपूर, उपाध्यक्ष उमाकांत श्रीवास्तव, एडवोकेट कमलेश सिंह, वाराणसी में प्रदेशउपाध्यक्ष योगीराज पटेल, सोनभद्र में प्रदेश उपाध्यक्ष कांता कोल, कृपाशंकरपनिका, राजेन्द्र प्रसाद गोंड़, सूरज कोल, श्रीकांत सिंह, रामदास गोंड़, रामनाथ गोंड़, आगरा में वर्कर्स फ्रंट उपाध्यक्ष ई. दुर्गा प्रसाद, चंदौलीमें अजय राय, आलोक राजभर, डा. राम कुमार राजभर, गंगा चेरो, रामेश्वरप्रसाद, रहमुद्दीन, इलाहाबाद में युवा मंच संयोजक राजेश सचान, अनिल सिंह, मऊ में बुनकर वाहनी के इकबाल अहमद अंसारी, बलिया में मास्टर कन्हैयाप्रसाद, बस्ती में एडवोकेट राजनारायण मिश्र, श्याम मनोहर जायसवाल ने किया।

रालोद ने मनाई किसान नेता चौ. चरण सिंह की 118वीं जयन्ती

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेशीय मुख्यालय में किसान मसीहा व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह की 118वीं जयन्ती हर्षोल्लास के साथ मनाई गयी। इस अवसर पर प्रदेश कार्यालय स्थित चौ. साहब की प्रतिमा के सम्मुख वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ यज्ञ का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने प्रमुख पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ यज्ञ में आहुति डाली और चौ. साहब को नमन किया। हवन पूजन के पश्चात राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मसूद अहमद व राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ विधान भवन स्थित चौ. साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके नमन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल के सैकडों कार्यकर्ताओं के चौ. साहब अमर रहे, जब तक सूरज चांद रहेगा चौ. साहब का नाम रहेगा जैसे गगनभेदी नारो से विधान भवन परिसर गुजांयमान हो उठा। इस अवसर पर पार्टी कार्यालय में वर्तमान परिस्थितियों में चौ. चरण सिंह की विचारधारा एवं नीतियों की प्रासंगिकता विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मसूद अहमद ने कहा कि यदि केन्द्र सरकार चौ. साहब में जरा भी आस्था रखती है तो 28 दिन से राष्ट्रीय राजधानी के चारों ओर डेरा डाले लाखों किसानों के दुख दर्द को समझे और उसका निराकरण करे। राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को चौ. साहब का नाम लेने का नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि भाजपा सरकारों में किसान बहुत अधिक त्रस्त हो गया है जबकि यह किसान चौ. साहब की आत्मा है। केन्द्र सरकार के मन में चौ. साहब के प्रति यदि जरा भी श्रद्धा और लगाव है किसानों की मांगों को तत्काल स्वीकार कर किसान विरोधी तीनों अध्यादेश वापस लेने की घोषणा करें।

प्रकृति टंडन का 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप के साथ कार्नेल यूनिवर्सिटी में चयनित

लखनऊ। सिटी मान्टेसरी स्कूल, महानगर कैम्पस की मेधावी छात्रा प्रकृति टंडन ने उच्च शिक्षा हेतु विश्व प्रतिष्ठित कार्नेल यूनिवर्सिटी, अमेरिका में 100 प्रतिशत टाटा ट्रस्ट स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर लखनऊ का नाम गौरवान्वित किया है। यह छात्रा कार्नेल यूनिवर्सिटी के अन्तर्गत कालेज ऑफआर्ट्स एण्ड साइन्सेज में एडमीशन लेगी। उक्त जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि अपनी अभूतपूर्व सफलता पर बातचीत करते हुए प्रकृति ने कहा कि वह रसायन शास्त्र में स्नातक कोर्स करना चाहती हूँ ताकि आगे चलकर वह विभिन्न बीमारियों के उपचार हेतु आवश्यक दवाओं पर नये-नये शोध कर सके। प्रकृति का कहना है कि सी.एम.एस. के आध्यात्मिक वातावरण से उसमें सामाजिक कार्यो के प्रति गहरी रूचि विकसित हुई है और वह फार्मा उद्योग में नये-नये अनुसंधान कर लोगों के जीवन स्तर को सुधारना चाहती है। सी.एम.एस. महानगर कैम्पस की प्रधानाचार्या डा. कल्पना त्रिपाठी ने इस मेधावी छात्रा की अभूतपूर्व सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे हमेशा से ही अपनी इस मेधावी छात्रा से काफी उम्मीदें थी और मुझे उसकी सफलता पर गर्व है। मैं प्रकृति को हार्दिक बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना करती हूँ। सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने सी.एम.एस. की इस मेधावी छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रकृति सी.एम.एस. की चौथी छात्रा है, जो विश्व प्रतिष्ठित कार्नेल यूनिवर्सिटी में 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप के साथ चयनित हुई है। इससे पहले, सी.एम.एस. गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) के दो छात्र आदित्य द्विवेदी एवं अनुजा त्रिवेदी एवं सी.एम.एस. अलीगंज (प्रथम कैम्पस) की छात्रा दीपिका गुप्ता का 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप के साथ कार्नेल यूनिवर्सिटी में चयन हो चुका है।

देश का अन्नदाता मोदी सरकार के साथः सांसद विनोद सोनकर

शकरदहा में आयोजित हुई किसान खाट पंचायत

प्रतापगढ़ कुंडा। देश का किसान दिन रात खेतों में मेहनत करके फसल उगाता है। फसल तैयार होने के बाद किसान चाहता है कि समय से सरकार फसल को खरीद ले। परन्तु पूर्व की सरकारों में ढुलमुल नीति के कारण किसान कर्जदार हो गया। इस ओर किसी ने ध्यान नही दिया। किसान सरकार से यही चाहता है कि समय से किसान को खाद,बीज,पानी मिल जाये। पूर्व की सरकारों में किसान खाद बीज के लिए लाठियां खाता था। 2014 में केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद सरकार ने यूरिया को नीम कोटेड किया। जिसका लोग दुरुपयोग न कर सके। सरकार की मंशा है किसान को समय से खाद बीज पानी उपलब्ध कराया जाए। यही नहीं सरकार ने किसानों को किसान सम्मान निधि देकर उनका हौशला बढ़ाया। उक्त बातें बिहार ब्लाक के शकरदहा बाजार में किसान खाट पंचायत में क्षेत्र से आये हुए किसानों को सम्बोधित करते हुए कौशाम्बी सांसद, संसदीय आचार समिति के सभापति, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व त्रिपुरा राज्य के प्रभारी विनोद सोनकर ने कही। उन्होंने आगे कहा कि कोरोना काल में भारत से कम जनसंख्या वाले देशो की हालत खराब थी। परन्तु इस देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकट काल मे देश के गरीबों के लिए 170 लाख करोड़ की योजनाओं को प्रारम्भ कर गरीबों के लिए देश का खजाना खोल दिया। देश के प्रधानमंत्री ने कहा कि इस संकट के समय हम किसी को भूखे नही मरने देंगे। सरकार ने फ्री राशन, गैस सिलेंडर, पेंशन दिया। यह सब देश के अन्नदाता किसान भाइयों के कारण हुआ। यह देश ऋषि एवं कृषि परम्परा का देश है। सरकार किसानों के साथ खड़ी है। फिर भी मोदी सरकार को किसान विरोधी बताया जा रहा है। यह वही बिल है। जिसे पूर्व की सरकारों ने सिर्फ आश्वासन दिया। जब मोदी सरकार ने स्वामी नाथन आयोग को लागू कर दिया तो विपक्षी दल के लोग परेशान हो गए। अब किसान मंडी में अपनी फसल बेंचे या बाहर । सीधे तौर पर अब किसानों को मोदी सरकार ने आजाद कर दिया। इस कृषि बिल में किसानों का कही से भी अहित नही है। इस देश का किसान प्रधानमंत्री मोदी जी के साथ है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने किसानों का कर्ज माफकिया। जो लोग किसानों को गुमराह कर रहे है यह वही लोग हैं जिन्हें देश की जनता ने नकार दिया है। कार्यक्रम में आये हुए किसानों ने हाँथ उठाकर मोदी सरकार का समर्थन किया। कुंडा के पूर्व प्रत्याशी शिव प्रकाश मिश्र सेनानी ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार व प्रदेश की योगी सरकार किसानों के लिए कार्य कर रही है। फिर भी कुछ लोग सरकार को किसान विरोधी बता रहे है। सांसद विनोद सोनकर ने शकरदहा के ब्रम्हर्षि विद्यालय में सांसद निधि से दिए गए कक्ष का लोकार्पण किया। इसके बाद रामदास पट्टी में गोलू पाण्डेय के आवास पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। बेधन गोपालपुर में 1971 में शहीद स्व0 सुरेश नारायण पाठक की पत्नी को सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व प्रत्याशी शिव प्रकाश मिश्र सेनानी, सांसद मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष राजन मिश्र, कमलेश सोनकर, बृज किशोर त्रिपाठी, सरोज त्रिपाठी, जिला महामंत्री सतीश चौरसिया, भाजपा नेता अखिलेश द्विवेदी, जगापुर प्रधान उदय शंकर पांडेय, विश्वनाथ त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष मोनू शुक्ला, राजेश साहू, उमाशंकर पटेल, सूर्यकांत मिश्र निराला, विक्रम सिंह, जितेंद्र मिश्रा, सभासद राजेश सोनकर, किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष प्रकाश चंद्र मिश्रा वेद, मोहम्मद सोहराब, विवेक सिंह, राघवेंद्र त्रिपाठी, सूरज शुक्ला, एमपी शुक्ला, मुनेश मिश्रा एवं शैलेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

रेलवे पुल से सई नदी में गिरा अधेड़, मौत

ट्रेन से यात्री के गिरने की मिली थी सूचना

मरने वाले के नदी में छलांग लगाने की भी चर्चा

प्रतापगढ़। रेलवे पुल से जा रहा अधेड़ सामने से मौत बनकर दौड़ती आ रही ट्रेन से खुद को बचाने की कोशिश में अपने को बचा नहीं पाया। उसका पैर फिसला। नीचे सई नदी में गिरने से उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची जीआरपी और कोतवाली पुलिस शव की शिनाख्त में जुटी रही।जानकारी के अनुसार सुबह करीब दस बजे पुरी से नई दिल्ली जा रही नीलांचल एक्सप्रेस ट्रेन सई नदी पर बने रेलवे पुल पर पहुंची थी। उसी समय पुल पर विपरीत दिशा से आ रहे एक अधेड़ व्यक्ति जिसकी उम्र करीब 55 के करीब थी। उसने सामने से आ रही ट्रेन को देख लिया। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार अधेड़ को लगा कि ट्रेन की चपेट में आने से उसकी जान जा सकती है। जान बचाने के लिए वह ट्रैक के किनारे कंक्रीट से बने पैदल मार्ग पर आने की कोशिश करने लगा। लेकिन सफल नहीं हुआ। पुल के कंपन से उसे जोर का झटका लगा। वह खुद को संभाल नहीं पाया। पुल के गाडर पर बने गैप के रास्ते सीधे सई नदी में गिरा। पुलिस को उसकी लाश पुल के पाये के पास मिली है। एसएम ने घटना की सूचना जीआरपी को दी। जिसमें ट्रेन यात्री के पुल से गिरने की सूचना दी गई थी। सूचना मिलने से अफरातफरी मच गया। जीआरपी वाले आनन फानन में मौके पर पहुंचे। यात्री के गिरने की सूचना वायरल होते ही रेल प्रशासन में भी हड़कंप मच गया। सूत्रों के अनुसार नीलांचल अमेठी में पहुंची तो अधिकारियों ने उसके ड्राइवर से जानकारी ली। एसओ जीआरपी फूल सिंह ने बताया कि एसएम प्रतापगढ़ ने यात्री के गिरने की सूचना दी थी। अमेठी में ड्राइवर ने बताया कि अधेड़ पुल पर ट्रेन के किनारे बने पैदल मार्ग पर जाते समय दिखा जरूर था। उसके बाद ट्रेन आगे बढ़ गई। अनुमान है कि मरने वाले का पैर हड़बड़ी में फिसल गया और वह पुल के नीचे नदी में गिरा जिससे उसकी मौत हो गई। उसकी शिनाख्त हो रही है। घटना कोतवाली इलाके की है। चर्चा है कि मरने वाला अचलपुर इलाके में देखा जाता था। भीख मांगता था। अक्सर पुल के रास्ते ही आया जाया करता था। लोग उसे धोनी बाबा कहते थे।

किसान सम्मान दिवस के अवसर पर एक दिवसीय किसान मेला प्रदर्शनी एवं कृषि ज्ञान संगोष्ठी का किया गया आयोजन

बाराबंकी। जनपद के पल्हरी प्रक्षेत्र प्रांगण में माननीय सांसद, बाराबंकी श्री उपेन्द्र सिंह रावत जी की अध्यक्षता में किसान सम्मान दिवस के अवसर पर आत्माधआर0के 0वी0वाई0 योजनान्तर्गत आर0ए0टी0डी0एस0 कार्यक्रम के अन्तर्गत एक दिवसीय किसान मेला ध्प्रदर्शनी एवं कृषि ज्ञान संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), बाराबंकी श्री संदीप कुमार गुप्ता, उप कृषि निदेशक (शोध), बाराबंकी श्री बीरेन्द्र कुमार वर्मा, उप कृषि निदेशक, बाराबंकी श्री अनिल कुमार सागर, जिला कृषि अधिकारी, बाराबंकी श्री संजीव कुमार, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, बाराबंकी श्रीमती प्रीति किरन बाजपेई, भूमि संरक्षण अधिकारी (गोमती), बाराबंकी डा0 कौशलेन्द्र पाल सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी (कुर्सी), बाराबंकी श्री अरूणेश प्रताप सिंह सहायक निदेशक(मत्स्य) श्री वी0एस0 चौरसिया सहित कृषक एवं सम्वर्गीय विभागों के जनपदस्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ विकास खण्ड निन्दूरा के ब्लाक प्रमुख श्री विजय कुमार शुक्ल, प्रगतिशील कृषक श्री बृजेन्द्र सिंह सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय कृषक एवं महिला कृषक उपस्थित थे। सर्वप्रथम उप कृषि निदेशक श्री अनिल कुमार सागर द्वारा जनपद में कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं रबी अभियान के अन्तर्गत कृषि निवेशों की उपलब्धता की जानकारी कृषकों को उपलब्ध कराई गई। साथ ही मृदा स्वास्थ्य कार्ड की संस्तुतियों के आधार पर संतुलित उर्वरकों एवं कृषि के साथ-साथ अन्य विधाओं के प्रयोग से कृषकों को उनकी आय दोगुनी करने के बारे में भी अवगत कराया गया उप कृषि निदेशक(शोध), बाराबंकी द्वारा भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (बी0पी0के0पी0) एवं जैविक खेती से होने वाले लाभों के बारे में विधिवत जानकारी देते हुये कृषकों से अपील की गई कि भविष्य जैविक उत्पादों का ही है। अतः किसान भाई रासायनिक खेती से जैविक खेती की ओर बढ़े जिससे जहां एक ओर कृषकों के उत्पाद का अधिक मूल्य प्राप्त होगा वही अधिक गुणवत्तापूर्ण फसलों से समय- समय पर होने वाली बीमारियों हेतु भी प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है जिला कृषि रक्षा अधिकारी श्रीमती प्रीति किरन बाजपेई द्वारा रबी में फसलों में लगने वाले रोगों के बचाव, भूमि शोधन एवं बीज शोधन की जानकारी दी गई। जिला कृषि अधिकारी, बाराबंकी ने कृषकों से अपील की कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड की संस्तुतियों के अनुसार ही उर्वरकों का प्रयोग करें एवं उर्वरक प्रतिष्ठानों से उर्वरक करय करने हेतु अपने आधार के साथ ही जायें एवं पी0ओ0एस0 मशीन के माध्यम से भुगतान कर उर्वरक क्रय करें। मुख्य अतिथि माननीय सांसद श्री उपेन्द्र सिंह रावत जी द्वारा केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाने, जैविक खाद के प्रयोग एवं वर्मी कम्पोस्ट की उपयोगिता के बारे में अवगत कराते हुये बताया गया कि सरकार लगातार कृषकों के उत्थान हेतु प्रयासरत है। कृषकों का स्तर ऊपर उठाने एवं कृषि निवेशों की व्यवस्था हेतु पर्याप्त धनराशि की उपलब्धता हेतु ही माननीय प्रधानमंत्री जी, भारत सरकार के स्तर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का प्रारम्भ किया गया है जिसके अन्तर्गत कृषकों को प्रत्येक 03 माह पर रू0 2000ध्- की किस्त उनके बैंक खातों में सीधे प्राप्त हो रही है माननीय सांसद द्वारा उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया गया है कि सम्मान निधि पाने से अवशेष जनपद के लगभग 18000 कृषकों का डाटा भी शीघ्रतिशीघ्र सुधार कराया जाये ताकि उनके खातों में सम्मान निधि की धनराशि प्रेषित हो सके। माननीय सांसद जी द्वारा बताया गया कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी बाजपेई जी के जन्मदिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा जनपद बाराबंकी के एक कृषक श्री राम बाबू मिश्र से संवाद किया जायेगा जिसका सजीव प्रसारण भी सभी विकास खण्डों में किया जायेगा। यह जनपद के लिये अत्यन्त गौरव का विषय है। उन्होंने कृषकों का आहवान किया कि नई उन्नत तकनीक एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में भी आगे बढ़कर दिखायें एवं राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर अपनी उपस्थिति दर्ज करायें। इसके उपरान्त जनपद एवं विकास खण्ड स्तर पर विभिन्न फसलों में अधिक उत्पादकता प्राप्त करने वाले कृषकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया जनपद स्तर पर प्रथम पुरस्कार के रूप में रू0 7000- द्वितीय पुरस्कार के रूप में रू0 5000 एवं विकास खण्ड स्तर पर सर्वोच्च उत्पादक प्राप्त करने वाले कृषक को रू0 2000- की पुरस्कार धनराशि उनके बैंक खातों में डी0बी0टी0 द्वारा प्रेषित कराई जायेगी।

नगर पालिका ने 21 व्यवसाईयो को आवंटित किया चबुतरा

प्रतापगढ़। नगर पालिका ने मंगलवार को शाम नगर मे ट्रेजरी चौराहा से लेकर राजापाल टंकी के बीच 21 चबूतरो का लाटरी व्यवसाईयो को व्यवसाय करने के लिए आवंटित कर दिया। उप जिलाधिकारी मोहनलाल गुप्ता की देख रेख में हुए इस आवंटन में 21 व्यवसायी लाभांवित हुए जिन्हे सड़क के किनारे पटरी पर चार फिट चौड़ा व छह फिट लम्बा चबुतरा व्यवसाय के लिए 10 रूपये प्रतिदिन की दर से मिल गया। इस बारे में नगर पालिका के कर अधीक्षक वीरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि व्यवसाई चाहे प्रति दिन या माहवारी नगर पालिका में भुगतान कर सकते है। इस बारे में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मुदित सिंह ने बताया कि इसमे कोई स्थाई निर्माण नहीं कर सकता। व्यवसाईयो को चबुतरा आवंटित करने के मौके पर पटरी दुकानदार संघ के महामंत्री हरिश्याम मौर्य तथा नगर पालिका के दुकान लिपिक सूर्यजीत सिंह भी मौजूद रहे। नगर पालिकाध्यक्षा प्रेमलता सिंह ने आवंटन में लाभांवित होने वाले व्यवसाइयो को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर पालिका हमेशा व्यवसाईयो की मदद करती है। बता दे कि गत दिनो नगर पालिका द्वारा चलाये गये अतिक्रमण विरोधी अभियान में स्थाई निर्माण करने वाले व्यवसाईयो की दुकाने ध्वस्त कर दी गई थी। अब नगर पालिका विधिवत एक क्षेत्रफल की जगह व्यवसाय के लिए आवंटित कर दिया है।

सम्पादकीय

एयर इंडिया को उबारने की कोशिश

एयर इंडिया को खरीदने के लिए एयरलाइंस के कर्मचारियों के साथ अमेरिकी प्राइवेट इक्विटी फर्म 'इंटरप्स इंक' ने भी बोली लगायी है. बोली की अंतिम तारीख 14 दिसंबर थी. निविदा दाखिल करने की तारीख 29 दिसंबर है. तदुपरांत, एयर इंडिया को बेचने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जायेगा. कंपनी का कहना है कि अगर वह एयर इंडिया को खरीदने में सफल होती है, तो 51 प्रतिशत की हिस्सेदारी एयर इंडिया के कर्मचारियों को देगी और 49 प्रतिशत अपने पास रखेगी.अमेरिकी कंपनी एयर इंडिया में 13,500 करोड़ रुपये तुरंत निवेश करने के लिए तैयार है और जरूरत पड़ने पर और भी निवेश कर सकती है. एयर इंडिया के 14,000 कर्मचारियों में से 200 से अधिक अपनी कंपनी खरीदना चाहते हैं. इसके लिए एक कर्मचारी एक लाख रुपये का निवेश करेगा. 'इंटरप्स इंक' अमेरिका के ओवर द काउंटर एसक्वेंज (यूएस-ओटीसी) में सूचीबद्ध है और इसका एम-कैप 28 मिलियन डॉलर का है. एयर इंडिया की खरीद में 'इंटरप्स इंक' के अतिरिक्त, टाटा समूह, अडानी और हिंदुजा समूह भी रुचि ले रहे हैं. टाटा समूह ने एयर इंडिया को खरीदने के लिए अभिरुचि पत्र जमा कर दिया है. एयर इंडिया को 1932 में जेआरडी टाटा ने टाटा एयरलाइंस के नाम से शुरू किया था. वर्ष 1946 में इसे एयर इंडिया नाम दिया गया और 1947 में भारत सरकार इसमें निवेश कर सबसे बड़ी हिस्सेदार बन गयी. वर्ष 1953 में इसका राष्ट्रीयकरण हुआ. एयर इंडिया को बेचने की कोशिश पहले भी हो चुकी है. पूर्व में, खरीदने की इच्छुक कंपनियों के लिये अभिरुचि पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त, 2020 थी. वर्ष 2018 में भी सरकार एयर इंडिया को बेचना चाहती थी, लेकिन तब इसे खरीदने के लिये कोई कंपनी तैयार नहीं हुई, क्योंकि सरकार इसमें 24 प्रतिशत हिस्सेदारी चाहती थी और इस पर भारी-भरकम कर्ज भी था. केंद्र सरकार एक बार फिर एयर इंडिया की सौ प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की कोशिश कर रही है. एयर इंडिया एक्सप्रेस लिमिटेड में भी सरकार सौ प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी, जबकि एयर इंडिया एसटीएस एयरपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड में 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी बेची जायेगी. वर्तमान में एयर इंडिया पर 60,074 करोड़ रुपये का कर्ज है, लेकिन अधिग्रहण के बाद खरीदार को सिर्फ23,286.5 करोड़ ही चुकाने होंगे. शेष एयर इंडिया एसेट होल्डिंग्स लिमिटेड को स्थानांतरित कर दिया जायेगा, जिसका भार केंद्र सरकार वहन करेगी. एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस के विलय के समय एयर इंडिया 100 करोड़ के मुनाफे में थी, लेकिन अनियमितता, गलत प्रबंधन, राजनीतिक हस्तक्षेप और अंदरूनी गड़बड़ियों ने इसकी स्थिति खस्ताहाल कर दी. अदालत में दायर एक जनहित याचिका के अनुसार, 2004 से 2008 के दौरान विदेशी विनिर्माताओं को फायदा पहुंचाने के लिए 67,000 करोड़ रुपये में 111 विमान खरीदे गये, करोड़ों रुपये खर्च कर विमानों को पट्टे पर लिया गया. निजी विमानन कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए लाभ वाले हवाई मार्गों पर एयर इंडिया के उड़ानों को जानबूझकर बंद किया गया. इसकी पुष्टि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) अपनी रिपोर्ट में कर चुका है. एयर इंडिया के बेड़े को समृद्ध करने के लिए 'के-787 ड्रीमलाइनर' को सितंबर, 2012 में खरीदा गया. दो सौ छप्पन सीटों वाला ड्रीमलाइनर 10 से 13 घंटे बिना किसी परेशानी के उड़ान भर सकता है. सीटों की डिजाइनिंग और ईंधन क्षमता के मामले में यह बोइंग 777-200 एलआर से बेहतर है. एयर इंडिया ड्रीमलाइनर की बेहतर क्षमता का उपयोग करके ज्यादा लाभ अर्जित कर सकती है. बड़े विमानों में एयर इंडिया के पास 777-200 एलआर के आठ, 777-300 इआर के 12 और बी 747-400 के तीन विमान हैं. छोटे विमानों में ए 320 के 12, ए 319 के 19 और ए 321 के 20 विमान हैं. वर्तमान में एयर इंडिया के पास कुल 169 विमान हैं और कई को इसने लीज पर ले रखा है. एयर इंडिया के पास लगभग 1700 पायलट और 4000 एयर होस्टेस हैं. कोरोना महामारी से पहले इससे हर दिन लगभग 60,000 यात्री विदेश यात्रा करते थे. पिछले वर्ष एयर इंडिया ने नौ नयी अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर कई शहरों को जोड़नेवाली उड़ानें शुरू की थीं. सभी संसाधनों से युक्त होने के कारण एयर इंडिया विमानों का बुद्धिमतापूर्ण उपयोग कर राजस्व में वृद्धि कर सकती है. जैसे, जिन मार्गों पर यात्रियों का आवागमन अधिक है वहां विमानों के फेरे बढ़ाकर, कम ईंधन खपत करनेवाले विमानों का ज्यादा उपयोग कर. फ्रैंकफर्ट, पेरिस, हांगकांग, शंघाई जैसे शहरों, जहां पहुंचने में 10 घंटे का समय लगता है, उड़ानों में यदि ड्रीमलाइनर का प्रयोग किया जाये, तो यात्रा की लागत प्रति किलोमीटर 25 प्रतिशत तक कम हो सकती है.

यात्री किराया में कटौती की जा सकती है. स्टार अलायंस के साथ एयर इंडिया की साझेदारी 2014 में हुई थी. स्टार अलायंस के पास 192 देशों के 1300 हवाई अड्डों में उड़ान भरने वाले 18,500 विमानों का बड़ा नेटवर्क है. एयर इंडिया इसका फायदा उठा सकती है. एयर इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अश्विनी लोहानी की अगुवाई में एयर इंडिया को घाटे से उबारने की कोशिश हुई थी. हालांकि, एयर इंडिया आठ वर्षों बाद परिचालन लाभ अर्जित करने में सफल रही थी.लेकिन वह प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख सकी. अंतरराष्ट्रीय यात्री बाजार में अभी भी एयर इंडिया की 17 प्रतिशत भागीदारी है. जेट एयरवेज के बंद होने के बाद अमेरिका में एयर इंडिया का दबदबा बढ़ा है. कुशल प्रबंधन के जरिये एयर इंडिया को लाभ में लाया जा सकता है.

निशाने पर राहुल गांधी

कुमार प्रशांत
गांधीवादी विचारक

नीति आयोग के अमिताभ कांत को लगता है कि जरूरत से ज्यादा लोकतंत्र हमारे देश की जड़ें खोद रहा है, जबकि कांग्रेस के वरिष्ठजनों को लगता है कांग्रेस में जरूरत से कम लोकतंत्र उसे लगातार कमजोर बनाता जा रहा है. लोकतंत्र ही है एक ऐसा खिलौना, जिससे अमिताभ कांत जैसे लोग भी और कांग्रेस के 'दादा' लोग भी जब चाहें, वैसे खेलते हैं. लेकिन, मुसीबत है कि लोकतंत्र कोई खिलौना नहीं है. एक गंभीर प्रक्रिया व गहरी आस्था है. कांग्रेस के 'दादाओं' को लगता है कि नेहरू-परिवार की मुट्ठी में पार्टी का दम घुट रहा है. सबकी उंगली राहुल गांधी की तरफ उठती है कि वे राजनीति को गंभीरता से नहीं, सैर-सपाटे की तरह लेते हैं. लेकिन उनमें से कौन कांग्रेस की कमजोर होती स्थिति को गंभीरता से लेता है? मोतीलाल नेहरू से शुरू कर इंदिरा गांधी तक नेहरू-परिवार अपनी बनावट में राजनीतिक प्राणी रहा है और अपनी मर्जी से सत्ता की राजनीति में उतरा है. संजय गांधी को भी परिवार की यह भूख विरासत में मिली थी. अगर हवाई जहाज की दुर्घटना में उनकी मौत न हुई होती, तो नेहरू परिवार का इतिहास व भूगोल दोनों आज से भिन्न होता. उनकी मौत के बाद इंदिरा समझ सकीं कि उनके वारिस राजीव गांधी में वह राजनीतिक भूख नहीं है. उन्होंने राजीव गांधी पर सत्ता थोप दी, ताकि उनकी भूख जागे. पुरानी बात है कि कुछ महान पैदा होते हैं, कुछ महानता प्राप्त करते हैं और कुछ पर महानता थोप दी जाती है. अनिच्छुक राजीव गांधी पर मां ने सत्ता थोप दी और जब तक वे इसके रास्ते-गलियां समझ पाते, मां की भी हत्या हो गयी. थोपी हुई सत्ता राजीव से चिपक गयी और धीरे-धीरे राजीव अनिच्छा से बाहर निकलकर, सत्ता की शक्ति और सत्ता का सुख, दोनों समझने और चाहने लगे. उनमें मां का तेवर तो नहीं था, लेकिन तरीका मां का ही था. तमिलनाडु की चुनावी सभा में, लिट्टे के मानव-बम से वे मारे नहीं जाते, तो हम उन्हें अपने खानदान के रंग व ढंग से राजनीति करते देखते. विश्वनाथ प्रताप सिंह की दागी बोफोर्स तोप के निशाने से पार पाकर, वे अपने बल पर बहुमत पाने और सत्ता की बागडोर संभालने की तैयारी पर थे. राजीवविहीन कांग्रेस इस शून्य को भरने के लिए फिर नेहरू-परिवार की तरफ देखने लगी, लेकिन अब वहां बची थीं सिर्फ सोनिया गांधी, राजनीति से एकदम अनजान व उदासीन, दो छोटे बच्चों को संभालने व उन्हें राजनीति की धूप से बचाने की जी-तोड़ कोशिश में लगी एक विदेशी लड़की! लेकिन जो राजीव गांधी के साथ उनकी मां ने किया, वैसा ही कुछ सोनिया गांधी के साथ कांग्रेस के उन बड़े नेताओं ने किया, जो नरसिम्हा राव, सीताराम केसरी आदि मोहरों की चालों से बेजार हुए जा रहे थे.

उन्होंने सोनिया गांधी पर कांग्रेस थोप दी. फिर सोनिया गांधी ने वह किया जो उनके पति राजीव ने किया था- राजनीति को समझा भी और फिर उसमें पूरा रस लेने लगीं. मुझे पता नहीं कि आधुनिक दुनिया के लोकतांत्रिक पटल पर कहीं कोई दूसरी सोनिया गांधी हैं या नहीं. सोनिया गांधी ने कांग्रेस को वह सब दिया जो नेहरू-परिवार से उसे मिलता रहा था- बस अंतर था कि वे इस परिवार की इटली-संस्करण थीं. सोनिया गांधी ने बहुत संयम, गरिमा से बारीक राजनीतिक चालें चलीं. प्रधानमंत्री की अपनी कुर्सी किसी दूसरे को दे देने और फिर भी कुर्सी को अपनी मुट्ठी में रखने का कमाल भी उन्होंने कर दिखलाया. राहुल गांधी को उनकी मां ने कांग्रेस-प्रमुख व प्रधानमंत्री की भूमिका में तैयार किया. राहुल भी अपने पिता व मां की तरह ही राजनीति के तालाब की मछली नहीं थे लेकिन उन्हें मां ने चुनने का मौका नहीं दिया. राहुल तालाब में उतार तो दिये गये. जल्द ही वे इसका विशाल व सर्वभक्षी रूप देख कर किनारे भागने लगे. इसका मतलब यह नहीं है कि राहुल को राजनीति नहीं करनी है या वे सत्ता की तरफ उन्मुख नहीं हैं. अब तो उनकी शुरुआती झिझक भी चली गयी है लेकिन, कांग्रेस का इंदिरा गांधी संस्करण उनको पचता नहीं है. वे इसे बदलना चाहते हैं, लेकिन वह बदलाव क्या है और कैसे होगा, इसका उनके पास साफ नक्शा नहीं है. यहीं आकर कांग्रेस ठिठक गयी है. मतदाता उसकी मुट्ठी से फिसलता जा रहा है. वह अपनी मुट्ठी कैसे बंद करे, यह बतानेवाला उसके पास कोई नहीं है. यदि राहुल गांधी यह समझ लें कि आगे का रास्ता बनाने के लिए नेतृत्व को एक बिंदु से आगे सफाई करनी ही पड़ती है. जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, उनके पिता राजीव गांधी, सबने ऐसी सफाई की है. राहुल यहीं आकर चूक जाते हैं या पीछे हट जाते हैं. वे कांग्रेस अध्यक्ष भी रहे, लेकिन अब तक अपनी टीम नहीं बना पाये हैं. कांग्रेस को ऐसे राहुल की जरूरत है जो उसे गढ़ सके और आगे ले जा सके. वह तथाकथित 'वरिष्ठ कांग्रेसजनों' से पूछ सके कि यदि मैं कांग्रेस की राजनीति को गंभीरता से नहीं ले रहा हूं, तो आपको आगे बढ़कर गंभीरता से लेने से किसने रोका है? पिछले संसदीय चुनाव या राज्यों के चुनाव में इन वरिष्ठ कांग्रेसियों में से कोई काम करता दिखायी नहीं दिया, दिखायी नहीं देता है तो क्यों? जब राहुल श्चौकीदार चोर है!श् की हांक लगाते सारे देश में घूम रहे थे, तब कोई वरिष्ठ कांग्रेसी उसकी प्रतिध्वनि नहीं उठा रहा था? अगर ऐसे नारे से किसी को एतराज था, तो किसी ने कोई नया नारा क्यों नहीं गुंजाया? ऐसा क्यों है कि राहुल ही हैं कि जो अपने बयानों-ट्विटों में सरकार को सीधे निशाने पर लेते हैं बाकी कौन, कब, क्या बोलता है, किसने सुना है? शुरू में राहुल कई बार कच्चेपन का परिचय दिया करते थे, क्योंकि उनके पीछे संभालने वाला कोई राजनीतिक हाथ नहीं था. अब वक्त ने उन्हें संभाल दिया है.

इस राहुल को कांग्रेस अपनाने को तैयार हो तो कांग्रेस के लिए आज भी आशा है. राहुल को पार्टी के साथ काम करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए, क्योंकि कांग्रेस में आज राजस्थान के मुख्यमंत्री के अलावा दूसरा कोई नहीं है, जो पार्टी को नगरपालिका का चुनाव भी जिता सके. अशोक गहलोत कांग्रेस के एकमात्र मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने खुली चुनौती देकर भाजपा को चुनाव में हराया और फिर चुनौती देकर सरकार गिराने की रणनीति में उसे मात दी. यह राजनीति का राहुल-ढंग है. ऐसी कांग्रेस और ऐसे राहुल ही एक-दूसरे को बचा सकते हैं.

बचाव ही उपाय

ब्रिटेन में कोविड-19 वायरस के नये रूप के संक्रमण ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है. वैक्सीन के आने से उम्मीद की जा रही थी कि नये साल में कोरोना संकट को काबू में कर लिया जायेगा, लेकिन अब लगता है कि महामारी से लड़ाई अभी जारी रहेगी. भारत समेत कई देशों ने इस कारण ब्रिटेन से अपनी हवाई सेवाएं स्थगित कर दी हैं. ब्रिटेन से भारत आनेवाले बीस यात्री अभी तक संक्रमित पाये गये हैं तथा बीते कुछ दिनों में आये सभी यात्रियों की जांच करने की कोशिश हो रही है. विभिन्न शहरों और हवाई अड्डों पर भी विशेष व्यवस्था की गयी है. हालांकि अभी तक भारत में इस नये वायरस के आने की पुष्टि नहीं की गयी है, लेकिन इसके अनेक देशों में पाये जाने की वजह से लगातार निगरानी रखी जा रही है. जानकारों के मुताबिक, कोविड-19 के इस नये स्ट्रेन में 17 बार बदलाव हुआ है तथा यह पूर्ववर्ती वायरस से 70 प्रतिशत अधिक संक्रामक है. अभी तक यह माना जा रहा है कि नये वायरस के संक्रमण का मृत्यु दर पर असर नहीं पड़ा है तथा भारत और अन्य देशों में विकसित की जा रही वैक्सीनों की क्षमता भी इससे प्रभावित नहीं होगी. किंतु यह शुरुआती अनुमान ही है और हमें पुख्ता जानकारी के लिए कुछ देर इंतजार करना होगा. संतोष की बात है कि भारत में वायरस के कई नमूनों पर पहले से ही शोध हो रहा है और हमारे विशेषज्ञों के पास इस बारे में काफी जानकारी है. यदि भारत में वायरस अपने नये रूप में आता है, तो उसकी तुरंत पहचान की जा सकेगी. बीते दस महीने में लोगों को भी सतर्कता बरतने और बचाव के उपायों का समुचित अनुभव हो चुका है तथा अभी भी लंबे समय तक मास्क लगाने, सैनिटाइजर इस्तेमाल करने तथा शारीरिक दूरी का ध्यान रखने की जरूरत है. नये वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए भी इन्हीं उपायों पर अमल करना है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर वरिष्ठ विशेषज्ञों द्वारा लगातार कहा जाता रहा है कि जब तक आबादी के बड़े हिस्से को टीका नहीं लग जाता है, तब तक किसी भी तरह की लापरवाही हमें मुश्किल में डाल सकती है.

जनपद के समस्त ब्लाकों में खण्ड स्तरीय कृषि निवेश मेला में टीवी/एलईडी के माध्यम से प्रधानमंत्री जी के सजीव प्रसार के सुन व देख कर हुए गदगद किसान

रायबरेली . भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की 97वीं जयन्ती पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन व पीएम किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद के सभी ब्लाकों में खण्ड स्तरीय कृषि निवेश मेला का आयोजन किया गया व टीवी/एलईडी के माध्यम से प्रधानमंत्री जी के सजीव प्रसारण देखा गया। सभी ब्लाकों में आयोजित हुए सजीव प्रसारण आदि कार्यक्रमों को नोडल अधिकारियों सहित विधायक दल बहादुर कोरी, राम नरेश रावत, दिनेश प्रताप सिंह, धीरेन्द्र बहादुर सिंह आदि सहित गणमान्यजनों ने ब्लाकों के किसानों के बड़ी संख्या में सुना व देखा व जाना। टीवी/एलईडी के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री ने सजीव प्रसारण के दौरान वर्चुअल के माध्यम से एक क्लिक के माध्यम से ऑनलाईन प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत देश के 9 करोड़ से अधिक किसानों को 18 हजार करोड़ रूपये से अधिक की राशि उनके खातों में पलभर में स्थानान्तरित कर प्रत्यक्ष लाभ दिया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश के 2.13 करोड से अधिक किसान परिवारों के बैंक खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत 4260 करोड़ की सम्मान राशि हस्तांतरण किया गया। सजीव प्रसारण में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का अनुकरणीय नेतृत्व था, जिसने 21वीं शताब्दी के मजबूत एवं खुशहाल भारत की नींव रखी। उनकी दूरदर्शी नीतियों ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्येक भारतीय के जीवन को छुआ है। उन्होंने कहा कि अटल जी कहते थे कि हर पीड़ी का मूल्यांकन दो बातो से होगा एक मापदण्ड और उसका सम्मान उन्होंने जो रास्ता दिखाया व एक सुशासन के संवाहक का रहा था जिससे विरास्त में समस्याओं को सुलझाया गया है। किसानों के जीवन में खुशी से हम सबको भी खुशी मिलती है। पावन दिवस है किसान सम्मान निधि मिली है कई चीजे संगम बने आई है। क्रिसमस का त्योहार विश्व प्रेम शान्ति संदभाव का संदेश देता है। गीता जंयती मदन मोहन मालवीय जी की जयंती के साथ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भी जयंती है। अटल जी ने गीता के संदेशों के अनुरूप जीवन को यापन किया उनका मानना था स्वाभाविक कर्मो को तत्परता से जो करता है उसे सिद्धि प्राप्त होती है। अटल जी सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित था। उन्होंने किसानों से कहा कि वह गुमराह न हो सत्य को परख कर कार्य करें। उन्होंने कहा कि सरकार ने 21वीं सदी में किसानों को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया है उसके सुख समृद्धि में अच्छी बढ़ौतरी हो तथा किसानों के अधिकारों व सुरक्षा आदि के लिए सरकार पूरी तरह दृढ संकल्पित है। इसे अलावा प्रधानमंत्री जी ने वर्चुअल के माध्यम से अनेक महत्वपूर्ण जानकारी देने के साथ ही देश के कई राज्यों के किसानों से सीधा संवाद किया।

अवैध मदिरा के निर्माण एवं बिक्री के अड्डे समाप्त के लिए 6 टीमे गठित

विशेष प्रवर्तन अभियान चलेगा 2 जनवरी तक

रायबरेली . जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने आबकारी आयुक्त के निर्देशों के क्रम में 24 दिसम्बर से 2 जनवरी 2021 तक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाकर अवैध मद्य निष्कर्षण/अवैध मदिरा के निर्माण एवं बिक्री के अड्डों को समाप्त करने हेतु समस्त तहसीलवार 6 टीमो का गठन किया गया है।

आबकारी, पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीम बनाकर प्रभावी प्रवर्तन कार्य किया जाना है। जिसमें समस्त तहसीलों के उपजिलाधिकारी, पुलिस उपधीक्षक एवं आबकारी निरीक्षक नियुक्त किये गये है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये है कि आबकारी अधिकारी अभियान में सहयोग करते हुए प्रभारी तरीके से प्रवर्तन का कार्य करायेंगे।

4 दिवसीय आवासीय शारदा सहायक खण्ड के पदाधिकारियों को प्रशिक्षण सम्पन्न

रायबरेली. क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, रायबरेली में सहभागी सिंचाई प्रबन्धन के तहत जल उपभोक्ता समितियों के 04 दिवसीय आवासीय कौशल आधारित क्षमतावर्धन शारदा सहायक खण्ड-45 के पदाधिकारियों के प्रशिक्षण का आयोजन संस्थान के आचार्य अनूप कुमार के दिशा निर्देशन में किया गया। जिसमें सत्र प्रभारी, सत्येन्द्र सिंह राणा ने बताया कि पिम प्रशिक्षण में पिम सुशासन, नहरों की देख-रेख, फसल जल प्रबंधन एवं तकनीकी जानकारी हेतु प्रेरक ओ0पी0 मिश्रा, से0नि0 जिलेदार गंगा सागर यादव, जे0ई0 शैलेश मिश्रा एवं से0नि0 जिला प्रशिक्षण अधिकारी आर0बी0 गंगवार ने समितियों के पदाधिकारियों को वित्तीय प्रबंधन की सम्पूर्ण जानकारी प्रोजेक्टर के माध्यम से दी। प्रचार-सहायक संजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य नहरों में अल्पिकाओं से बनी समितियों के ओसराबन्दी, नहरों के रख रखाव एवं फसल जल प्रबंधन, हेतु प्रशिक्षित करना है, जिससे वह सिचांई विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर नहरों की देख-रेख कर सके। इस अवसर पर सहायक सत्र प्रभारी श्री संतोश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि प्रत्येक प्रतिभागियों को प्रशिक्षण किट, नि:शुल्क भोजन एवं पॉकेट एलाउन्स 150 रू0 प्रतिदिन की दर से कुल 600.00 रूपये एवं आने-जाने का यात्रा भत्ता 300.00 रूपये कुल 900.00 रूपये प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को वितरण किया गया। साथ ही सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।

डीएम ने धान क्रय केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

किसानों से संवाद कर केन्द्रों की परखी हकीकत

रायबरेली . जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने गंगागंज क्षेत्र के पीसीएफ द्वारा संचालित धान क्रय केन्द्र गंगागंज एट शोरा व हरचन्दपुर क्षेत्र के खाद्य विभाग द्वारा संचालित धान क्रय केन्द्र का निरीक्षण कर केन्द्र प्रभारी सहित सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसानों से सीधे धान क्रय किया जाए तथा बिचैलियों के माध्यम से किसी भी प्रकार की खरीदारी पर शिकायत मिलने पर कार्यवाही की जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गंगागंज क्षेत्र के धान क्रय केन्द्र पर धान बेचने आये किसानों से संवाद किया तथा उनके आधार आईडी आदि का मिलान रजिस्टर से किया। एक किसान द्वारा अपनी आधार कार्ड न दिखाये जाने पर सम्बन्धित ग्राम के प्रधान से मोबाईल के माध्यम से पूछ-ताछ की तथा उसी दौरान किसान ने अपनी आधार कार्ड मंगवाकर दिखा दिया।

जिस पर जिलाधिकारी ने केन्द्र प्रभारी व सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसाना से धान क्रय करने के दौरान आधार कार्ड आदि कागजात अवश्य देख लें। हरचन्दपुर धान क्रय केन्द्र पर डीएम ने रूकनापुर के किसान हरदीन सिंह व खिजरिपुर के किसान तीर्थ राज सिंह आदि से भी संवाद कर केन्द्रों के बारे में धान क्रय केन्द्र की व्यवस्थाओं आदि के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन सहित कई अधिकारीगण उपस्थित थे।

वृद्धजनों के लिए विधिक साक्षरता एवं कोविड जागरूकता शिविर सम्पन्न

रायबरेली. जनपद के न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अब्दुल शाहिद के निर्देशानुसार व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में वृद्धजन आवास (वृद्धाश्रम), आई0टी0आई0 कैम्पस दूरभाष नगर, रायबरेली में वृद्धजनों के लिए पर विधिक साक्षरता एवं कोविड-19 जागरुकता शिविर का आयोजन में किया गया। शिविर का शुभारम्भ कोरोना महामारी के समय सोशल डिस्टेंसिग का पालन करते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कोविड-19 से बचाव, मास्क का प्रयोग और दो गज की दूरी का अनुपालन करने हेतु जागरुक किया गया। इस अवसर पर उपस्थित वृद्धजनों को यह बताया गया कि कैसे आप कानूनी जानकर बने अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहे। इस अवसर पर वृद्धाजनों को उनके नि:शुल्क अधिकारों के विषय पर जानकारी दी गयी और बताया गया कि यदि वृद्धजनों की संपति पर किसी ने अतिक्रमण या कब्जा कर लिया है जो वृद्धजन पैसों की कमी के कारण अपना अधिकार नहीं प्राप्त कर पा रहे है तो वह नि:शुल्क विधिक सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली के कार्यालय में किसी कार्यदिवस में उपस्थित होकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। वृद्धावस्था पेंशन आवेदन हेतु भी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय अथवा पराविधिक स्वयं सेवकों से सम्पर्क कर सकते है। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के अधीक्षक धनन्जय प्रताप सिंह, पीएलवी पवन, जमुना प्रसाद व महिला पराविधिक स्वयं सेवक निहारिका शुक्ला आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन पराविधिक स्वयं सेवक श्री पवन के द्वारा किया गया।

सरकार की नीति कृषक हितेषी-डा0 दिनेश शर्मा

पीएम-किसान सम्मान निधि द्वारा देश के प्रधानमंत्री ने किसान से संवाद व 9 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 18 हजार करोड़ रूपये का किया हस्तातरण

देश में पूर्वप्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के 97वीं जन्म दिवस पर एलईडी व वैन के माध्यम से सजीव प्रसारण में प्रधानमंत्री का सम्बोधन/भाषण सुनकर किसान व जनपदवासी हुए गदगद

प्रधामंत्री जी के सजीव प्रसारण को जनपद के समस्त विकास खण्ड में किसानों ने बढ़चढ़ कर देखा

रायबरेली . राष्ट्रवाद के प्रणेता, सुशासन के संवाहक भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की 97वीं जयन्ती पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, केन्द्र कृषिमंत्री उत्तर प्रदेश राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश के मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी, अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल, निदेशक सूचना शिशिर आदि गणमान्यजनों व अधिकारियों ने शत्-शत् नमन के साथ ही श्रद्धासुमन अर्पित किये। इसी क्रम में शहर के सिविल लाइन स्थित मंगलम लॉन में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व जनपद के प्रभारीमंत्री डा0 दिनेश शर्मा, जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, जिला अध्यक्ष रामदेव पाल आदि गणमान्यजनों ने भी देश में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यापर्ण व पुष्पअर्पित कर शत-शत् नमन के साथ श्रद्धासुमन अर्पित किये तथा आयोजित विकास खण्ड राही व जनपद स्तरीय सुशासन दिवस कृषि निवेश मेला का फीता काटकर व दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ भी किया। मुख्य अतिथि ने इस मौके पर प्रांगण में लगी किसान प्रदर्शनी का अवलोकन किया साथ ही उत्कृष्ट खेती करने वाले किसानों व संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जनपद के समस्त विकास खण्डों में टीवी/एलईडी के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का संबोधन सभी विधायकों, बीडीओं व किसानों द्वारा बढ़-चढ़ कर देखा व सुना गया। आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सूचना विभाग से आई एलईडी वैन के माध्यम से भी दिखाया गया। सीधा सजीव प्रसारण दूरदर्शन टीवी के माध्यम से जनपद के ।अधिवक्तागण, नागरिक, ग्रामीण जनता, बुद्धिजीवियों अन्य कर्मचारियों ने भी प्रसारण सुनकर अपने विचार व्यक्त किये गये।

देश के प्रधानमंत्री ने सजीव प्रसारण के दौरान वर्चुअल के माध्यम से एक क्लिक के माध्यम से ऑनलाईन प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत देश के 9 करोड़ से अधिक किसानों को 18 हजार करोड़ रूपये से अधिक की राशि उनके खातों में पलभर में स्थानान्तरित कर प्रत्यक्ष लाभ दिया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश के 2.13 करोड से अधिक किसान परिवारों के बैंक खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत 4260 करोड़ की सम्मान राशि हस्तांतरण किया गया। सजीव प्रसारण में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का अनुकरणीय नेतृत्व था, जिसने 21वीं शताब्दी के मजबूत एवं खुशहाल भारत की नींव रखी। उनकी दूरदर्शी नीतियों ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्येक भारतीय के जीवन को छुआ है। उन्होंने कहा कि अटल जी कहते थे कि हर पीड़ी का मूल्यांकन दो बातो से होगा एक मापदण्ड और उसका सम्मान उन्होंने जो रास्ता दिखाया व एक सुशासन के संवाहक का रहा था जिससे विरास्त में समस्याओं को सुलझाया गया है। किसानों के जीवन में खुशी से हम सबको भी खुशी मिलती है। पावन दिवस है किसान सम्मान निधि मिली है कई चीजे संगम बने आई है। क्रिसमस का त्योहार विश्व प्रेम शान्ति संदभाव का संदेश देता है। गीता जंयती मदन मोहन मालवीय जी की जयंती के साथ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भी जयंती है। अटल जी ने गीता के संदेशों के अनुरूप जीवन को यापन किया उनका मानना था स्वाभाविक कर्मो को तत्परता से जो करता है उसे सिद्धि प्राप्त होती है। अटल जी सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित था। उन्होंने किसानों से कहा कि वह गुमराह न हो सत्य को परख कर कार्य करें। उन्होंने कहा कि सरकार ने 21वीं सदी में किसानों को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया है उसके सुख समृद्धि में अच्छी बढ़ौतरी हो तथा किसानों के अधिकारों व सुरक्षा आदि के लिए सरकार पूरी तरह दृढ संकल्पित है। इसे अलावा प्रधानमंत्री जी ने वर्चुअल के माध्यम से अनेक महत्वपूर्ण जानकारी देने के साथ ही देश के कई राज्यों के किसानों से सीधा संवाद किया।

इससे पूर्व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व जनपद के प्रभारीमंत्री डा0 दिनेश शर्मा ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत साधु संतो व कृषि देश रहा है। 75 प्रतिशत आबादी गांव में रहती है। जो अधिकाश खेती पर निर्भर है। सरकार द्वारा किसानों के लिए लाभ परक योजनाए चला रही है। जिसका लाभ किसानों को दिलाना है। उद्देश्य किसानों की आय को दुगना करके उसको लाभान्वित व मजबूत बनाना है। सरकार द्वारा हर घरों में शौचालय, बिजली, पानी, प्रधानमंत्री आवास व मुख्यमंत्री आवास आदि योजनाओं से गरीब व किसानों को लाभ दिलाया जा रहा है। सरकार ने गंगा किसानों का बकाया जो पिछली सरकारों का था उसका भुगतान कर दिया गया है। सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य में एतिहासिक बढ़ौती की है। प्रदेश के युवा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में विगत 3.5 वर्षो में उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे है। पीएम किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत उत्तर प्रदेश के किसानों को अबतक 24 हजार 183 करोड़ रूपये की हस्तान्तरित, उपरोक्त सम्मान राशि के हस्तांतरण के पश्चात यह धनराशि कुल 28 हजार 443 करोड़ हो जायेगी। सरकार द्वारा 36 हजार करोड़ से 86 लाख लघु एवं सीमांत किसानों का ऋण मोचन, गंगा किसानों को 1.12 लाख करोड़ रूपया गन्ना मूल्य का रिकॉर्ड भुगतान, न्यूनतम समर्थन मूल्य के अन्तर्गत खाद्यान्न रिर्का सरकारी खरीद कर किसानों को 60 हजार करोड़ रूपये से अधिक का भुगतान, रमाला चीनी मिल सहित 20 चीनी मिलों का विस्तारिकरण एवं आधुनिकरण कर निरन्तर किसानों को लाभान्वित कर खुशहाली और समृद्धि की ओर बढ़ाया जा रहा है। इसी दौरान जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डा0 दिनेश शर्मा सहित उपस्थित किसानों व आमजनमानस को सम्बोधित करते हुए बताया कि पीएम-किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत जनपद के 4 लाख 30 हजार किसानों आच्छादित हो रहे है। धान क्रय पर 75 प्रतिशत से अधिक की खरीदारी हो चुकी है। धान क्रय केन्द्रों पर दलाल और बिचैलियों रोकने के लिए निरन्तर निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवही को उचित दिशा निर्देश दिये जा रहे है। पराली प्रबन्धन में जनपद स्थान अच्छा है। जनपद में 13 पंचायत भवन पूर्ण हो चुके है तथा अन्य का कार्य प्रगति पर है। 897 समुदायिक शौचालय पूर्ण व अन्य कार्य प्रगति पर है। रैन वाटर हार्वेसिंग की स्थापना के तहत 864 बन चुके है। 2600 से अधिक विद्यालयों में कायाकल्प योजनान्तर्गत जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जंयती के अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व जनपद के प्रभारीमंत्री डा0 दिनेश शर्मा ने कृषि विभाग द्वारा फार्म मशीननरी बैंक के लाभार्थियों कृषि प्रोत्साहन के लिए 10 व 12 लाख रूपये से लाभान्वित करने का प्रमाण पत्र दिया गया तथा कृषक दिनेश व सुशीला आदि को अच्छी फसल पैदावार होने पर प्रशस्ति पर दिया व प्रगतिशील किसानों को टेक्ट्र की चाभी देकर उनका उत्साह वर्धन भी किया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक गोयल, जिला अध्यक्ष रामदेवपाल, पुष्पेन्द्र सिंह, चन्द्र प्रकाश द्विवेदी, अनिल, कृष्णा चैधरी, किरन सिंह, दिलीप यादव, उपनिदेशक कृषि एचएन सिंह, डीडी सूचना प्रमोद कुमार, मो0 राशिद, प्रशान्त, एसडीएम अंशिका दीक्षित आदि अधिकारी व गणमान्यजन सहित बड़ी संख्या में किसान बन्धु भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सकुशल संचालन अतुल कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। आये हुए सभी किसान बन्धु व मीडिया बन्धुओं को भोजन पानी के साथ ही कृषि विकास सम्बन्धी लिटरेचर व सुशासन के तीन वर्ष की पुस्तक भी उपलब्ध कराई गई तथा उत्तर प्रदेश उपमुख्यमंत्री व जनपद के प्रभारी मंत्री डा0 दिनेश शर्मा द्वारा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास नये भारत का नया उत्तर प्रदेश जनपद की विभिन्न विधान सभाओं की पुस्तकों का अवलोकन करते हुए अध्ययन किया।

उपमुख्यमंत्री ने जनपद स्तरीय सुशासन दिवस कृषि निवेश मेला का फीता काटकर व दीप प्रज्ज्वलित कर किया शुभारम्भ

क्रिसमस के मौके पर डीएम, एसपी व अधिकारियों ने जनपद वासियों को दी बधाई

रायबरेली . जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने क्रिसमस के मौके पर जनपद वासियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके मंगल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि क्रिसमस नववर्ष के आने की आहट देता है, हम सभी को आने वाले समय में नए जोश व उम्मीद के साथ एक नई शुरूआत करनी चाहिए। डीएम ने समस्त जनपद वासियों को आपसी भाईचारे व सौहार्द के साथ मिलजुल कर रहने का आहवान किया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक गोयल, एडीएम राम अभिलाष, व प्रेम प्रकाश उपाध्याय, उपनिदेशक सूचना प्रमोद कुमार, मो0 राशिद सहित जनपद के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भी जनपद वासियों को क्रिसमस की हार्दिक बधाई दी।

शर्मनाक हार से दुखी भारतीय क्रिकेट टीम, गौतम गंभीर ने इस तरह बढ़ाया बल्लेबाजों का मनोबल

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि एडीलेड में शर्मनाक हार से भारतीय टीम दुखी होगी लेकिन उसे यह नहीं भूलना चाहिये कि पहले टेस्ट के पहले दो सत्र में उसका दबदबा था। भारत ने एडीलेड टेस्ट में पहली पारी में 53 रन की बढत बनाई थी लेकिन आस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में उसे उसके न्यूनतम टेस्ट स्कोर 36 रन पर आउट करके आठ विकेट से जीत दर्ज की। गंभीर ने स्टार स्पोटर्स के शो 'क्रिकेट कनेक्टेड' पर कहा ,'' भारतीय टीम को याद रखना चाहिये कि पहले दो दिन उसका दबदबा था।

पहले दो दिन मैच पर उसकी पकड़ थी।'' उन्होंने कहा ,'' एक सत्र को लेकर वे दुखी होंगे लेकिन उन्हें याद रखना होगा कि अभी तीन टेस्ट मैच खेले जाने हैं और उनके पास उनका सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और कप्तान विराट कोहली नहीं है।''

उन्होंने कहा ,'' अजिंक्य रहाणे पर काफी दारोमदार रहेगा। मोहम्मद शमी भी टीम में नहीं है और देखना होगा कि टीम संयोजन कैसा रहता है।''इससे पहले गंभीर ने कहा था कि भारत को पांच गेंदबाजों को लेकर उतरना चाहिये और रहाणे को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिये। उन्होंने अंतिम एकादश में केएल राहुल, ऋषभ पंत और शुभमन गिल को शामिल करने की भी पैरवी की थी।

भारत के खराब प्रदर्शन पर बोले शेन वॉर्न, कहा- MCG पर भारत की धज्जियां उड़ा देगी आस्ट्रेलियाई टीम

मेलबर्न। महान स्पिनर शेन वॉर्न का मानना है कि एडीलेड टेस्ट में शर्मनाक हार से भारतीय क्रिकेट टीम अभी भी सहमी हुई होगी और आस्ट्रेलियाई टीम बॉक्सिंग डे टेस्ट में उसकी धज्जियां उड़ा देगी। आस्ट्रेलिया ने भारत को पहले टेस्ट में उसके न्यूनतम टेस्ट स्कोर 36 रन पर समेटने के बाद आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। दूसरा मैच शनिवार से होगा जिसमें भारतीय कप्तान विराट कोहली नहीं खेलेंगे जो अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण स्वदेश लौट गए हैं। वॉर्न ने 'फॉक्स क्रिकेट' से कहा ,'' मुझे लगता है कि आस्ट्रेलियाई टीम उनकी धज्जियां उड़ा देगी।''

उन्होंने कहा ,'' भारत के पास के एल राहुल जैसे शानदार खिलाड़ी हैं।युवा शुभमन गिल भी टीम में होगा। अजिंक्य रहाणे भी बेहतरीन खिलाड़ी है और हमें पता ही है कि चेतेश्वर पुजारा क्या कर सकता है।'' वॉर्न ने कहा ,'' मोहम्मद शमी का नहीं खेलना भी बड़ा नुकसान है।वह बेहतरीन खिलाड़ी है। मेलबर्न में पिच उसकी गेंदबाजी के अनुकूल भी थी।'' पहले टेस्ट में शर्मनाक हार के बाद भारतीय टीम की काफी आलोचना हुई लेकिन वॉर्न का कहना है कि भारतीय बल्लेबाजों को दोष देने की बजाय आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों की तारीफ की जानी चाहिये।

उन्होंने कहा ,'' मैं आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को श्रेय दूंगा जिन्होंने इतनी उम्दा गेंदबाजी की। चारों गेंदबाज और कैमरन ग्रीन ने मिलकर शानदार प्रदर्शन किया। ये महान गेंदबाज बनते जा रहे हैं।''उन्होंने कहा ,'' पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और नाथन लियोन काफी समय से बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। निश्चित तौर पर उनकी तुलना मेरे दौर से गेंदबाजों से होगी। अगर अगले चार या पांच साल ऐसा ही खेलते रहे तो शायद यह आस्ट्रेलिया का अब तक का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण होगा।

बीसीसीआई एजीएम में मदन लाल की अगुआई वाली सीएसी के कार्यकाल के बढ़ने की उम्मीद

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) के कार्यकाल को गुरूवार को अहमदाबाद में होने वाली बोर्ड की 89वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में बढ़ाये जाने की संभावना है। समिति को इंग्लैंड श्रृंखला से पहले तीन राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का चयन करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार पूर्व विश्व कप विजेता मदन लाल की अध्यक्षता वाली सीएसी अपना काम पहले की तरह ही करेगी। सीएसी के अन्य सदस्य आरपी सिंह और सुलक्षणा नायक हैं। एजीएम में इन तीनों के कार्यकाल को बढ़ाये जाने को मंजूरी दिये जाने की उम्मीद है।

सिडनी में कोरोना के हालात नहीं सुधरने पर मेलबर्न में होगा तीसरा टेस्ट- क्रिकेट आस्ट्रेलिया

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने गुरूवार को कहा कि सिडनी में कोरोना वायरस संक्रमण के ताजा मामले सामने आने के बावजूद तीसरा टेस्ट मूल कार्यक्रम के अनुसार कराये जाने के प्रयास जारी है लेकिन हालात नहीं सुधरने पर मेलबर्न को तीसरे टेस्ट की मेजबानी के लिये विकल्प के तौर पर रखा गया है। सिडनी के उत्तरी तटों पर कोरोना संक्रमण के नये मामले मिलने के बाद सात जनवरी से वहां शुरू होने वाले तीसरा टेस्टको लेकर अनिश्चतता की स्थिति है। मेलबर्न में 26 दिसंबर से बॉक्सिंग डे टेस्ट होना है और वह तीसरे टेस्ट की मेजबानी कीदौड़ में भी है।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा ,'' हम सिडनी क्रिकेट ग्राउंड को तीसरे टेस्ट और गाबा को चौथे टेस्ट की मेजबानी का पूरा मौका देंगे।सिडनी में अगर हालात में सुधार नहीं होता है तो आपात योजना के तहत हम विक्टोरिया सरकार के साथ मिलकर तीसरा टेस्ट भी मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर करायेंगे और चौथा टेस्ट ब्रिसबेन में खेला जायेगा।'' इस पर अंतिम फैसला बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान लिया जायेगा। वैसे सिडनी के उत्तरी तटों पर हालात बेहतर हुए हैं लेकिन ऐसी आशंका है कि क्वींसलैंड जरूरी रियायत नहीं देगा यानी खिलाड़ी और प्रसारण दल सिडनी से ब्रिसबेन यात्रा नहीं कर सकेंगे जहां चौथा टेस्ट होना है।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने कहा कि बोर्ड रियायतों के लिये क्वींसलैंड सरकार के संपर्क में है। इससे पहले मेलबर्न क्रिकेट क्लब के सीईओ स्टुअर्ट फॉक्स ने गुरूवार को कहा कि क्लब भारत और आस्ट्रेलिया के बीच लगातार दो टेस्ट की मेजबानी करने के लिये तैयार है लेकिन वह चाहेंगे कि पारंपरिक तौर पर सिडनी में नये साल में खेला जाने वाला टेस्ट उसी मैदान पर हो।फॉक्स ने 'सेन रेडियो' से कहा ,'' मैं क्रिकेट आस्ट्रेलिया से लगातार संपर्क में हूं और चाहता हूं कि सिडनी टेस्ट सिडनी में ही हो। इसे कहीं और कराने में मजा नहीं है।'' उन्होंने कहा ,'' जरूरत पड़ने पर हम तीसरे टेस्ट की मेजबानी भी कर लेंगे। लेकिन पारंपरिक तौर पर नये साल का टेस्ट सिडनी में ही होता है और आस्ट्रेलियाई खेलों में उसका विशेष स्थान है।मैं चाहूंगा कि वह मैच सिडनी में ही हो।'' न्यू साउथवेल्स ने सिडनी टेस्ट बचाने की कवायद में कल कहा था कि वह ब्रिसबेन टेस्ट की मेजबानी को भी तैयार है।

बाबर आजम के वकील ने महिला पर अपने मुवक्किल को ब्लैकमेल करने के आरोप लगाए

कराची। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के वकील ने लाहौर की हमीजा मुख्तार पर आरोप लगाए हैं कि उसने यौन उत्पीड़न, धोखाधड़ी और प्रताड़ना के आरोप वापस लेने के लिए इस शीर्ष क्रिकेटर को ब्लैकमेल किया और एक करोड़ रुपये की मांग की। बुधवार को लाहौर में सत्र अदालत में सुनवाई के दौरान वकील ने कहा कि हमीजा ने सुनवाई को लंबा खींचने के लिए देरी करने की रणनीति अपनाई है जिससे कि वह बाबर को ब्लैकमेल कर सके। बाबर अभी राष्ट्रीय टीम के साथ न्यूजीलैंड में है। अदालत में दायर याचिका में हमीजा ने अरोप लगाए हैं कि बाबर उसके साथ रिश्ते में था और शादी का वादा करके उसने उसका यौन उत्पीड़न और उसके पैसे का इस्तेमाल किया। पाकिस्तान के कप्तान के वकील ने हालांकि कहा कि लड़की ने मामला वापस लेने के लिए पहले एक करोड़ रुपये की मांग की और इसके बाद 20 लाख रुपये मांगने लगी। वकील ने हालांकि कहा कि उनका मुवक्किल एक पैसा भी नहीं देगा क्योंकि उसके खिलाफ सभी आरोप आधारहीन हैं।

वकील ने अदालत से कहा, ''वह मेरे मुवक्किल की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और प्रताड़ित करने का प्रयास कर रही है क्योंकि उसे पता है कि वह जानी मानी हस्ती है।'' उन्होंने साथ ही सत्र अदालत के न्यायाधीश से आग्रह किया कि वह हमीजा के वकील को बुलाएं और इस मामले में जिरह पूरी करने का निर्देश दें। अदालत ने बाद में सुनवाई स्थगित कर दी और हमीजा के वकील को पेश होने और जिरह पूरी करने के निर्देश जारी किए।

सुजैन खान ने गिरफ्तारी की खबरों पर दी सफाई, सोशल मीडिया पर शेयर किया पोस्ट

सुजैन खान से जुड़ी खबरे इन दिनों सुर्खियों में छाई हुई है। खबरे है की सुजैन को मुंबई में नाइट कर्फ्यू के दौरान पार्टी करते पकड़ा गया, जो की कानून का उल्लंघन है। खबरे तो ये भी है कि पुलिस रेड के बाद उन्हें अरेस्ट तक किया गया। लेकिन इन अब में कितनी अफ्वाह है और कितनी सच्चाई अब ये खुद सुजैन खान ने सोशल मीडिया के जरिए बताया है। दरअसल, सुजैन खान ने अब अपने ऑफिसियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। अपने पोस्ट में सुजैन ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा जा रहा है कि परसों रात उन्हें एक छापे के दौरान मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। सुजैन ने ना सिर्फइन खबरों को गलत बताया है, बल्कि ये भी बताया है कि परसों रात में वो कहां थी। आपको बता दे, कोविड के चलते हालातो को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई में नाइट कर्फ्यू लागू किया है। जिसका उल्लंघन करने पर मुंबई पुलिस ने एक नाइट क्लब पर छापा मारकर 34 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान और सिंगर गुरु रंधावा का नाम भी शामिल था। हालांकि खबर के मुताबिक इन्हें बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। अब सुजैन ने इन खबरों को लापरवाही बताते हुए अपने पोस्ट में लिखा है, 'मेरी विनम्र सफाई, कल रात में अपने एक खास दोस्त के बर्थडे डिनर पर थी। हम कुछ लोग ड्रेगन फ्लाई क्लब में काफी देर तर रुके थे। रात 2.30 बजे वहां अथॉरिटीज पहुंची और उन्होंने क्लब मैनेजमेंट वालों से बात की और चीजों को सुलझाने की कोशिश की। हम सभी लोग जो वहां मौजूद थे हमसे कहा गया कि हम लोग तीन घंटा और यहीं रुके रहें। उसके बाद सुबह 6 बजे हम लोगों को क्लब से जाने दिया। इन सबके बीच मीडिया द्वारा अरेस्ट की जो खबरें चलाई जा रही हैं वो पूरी तरह गलत हैं और लापरवाही है। मैं यह समझने में असफल हूं कि हमें इंतजार क्यों कराया गया, अथॉरिटी और क्लब के बीच में क्या इशू था। मुंबई पुलिस के लिए मेरे दिल में बहुत सम्मान है। मुंबई के लोगों को सुरक्षित रखने के लिए वो लोग निस्वार्थ होकर जो काम कर रहे हैं मैं उसका सम्मान करती हूं। बेस्ट रिगार्ड्स, सुजैन खान.

पैरालिसिस से ग्रस्त हुई शिखा मल्होत्रा की हालत में कोई सुधार नहीं, बोलीं- पता नहीं कब चल पाऊंगी

जानी-मानी अदाकारा शिखा मल्होत्रा गंभीर स्ट्रोक और पैरालिसिस का शिकार हो गई थीं। इस कारण शिखा की दाहिने तरफका शरीर थोड़ा काम कर रहा था और वह अपने हाथ-पैर तक नहीं उठा पा रही थीं। हाल ही में शिखा ने अपने स्वास्थ्य को लेकर एक अपडेट किया है। इस दौरान उन्होंने बताया कि वो रिकवर कर रही हैं, लेकिन प्रोसेस बहुत धीमे हैं। शिखा का कहना है कि उन्हें इस बात की कोई भी जानकारी नहीं है कि वो अब कब चल सकेंगी। वहीं शिखा ने अपने इंस्टाग्राम से अपनी कुछ लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं। इंटरव्यू के दौरान शिखा ने कहा कि मैं जिंदगी के सबसे बुरे दौर से गुजर रही हूं और इस समय वो हर किसी का सपोर्ट चाहती हैं। इसके अलावा शिखा ने कहा कि वो अपने काम को लेकर ईमानदार हैं, इसलिए वो अपने दर्शकों से भी थोड़ा सपोर्ट की अपील करती हूं। शिखा ने कहा कि मेरी तबीयत में सुधार तो है लेकिन प्रक्रिया काफी धीमी है। ऐसे में मुझे नहीं पता कि मैं कब चल पाउंगी। शिखा ने बताया कि वो अपने शरीर से काफी लाचार हैं, लेकिन वो जब भी अपनी फिल्म कांचली के बारे में सोचती हैं तो उनका दिल धड़क उठता है। हालांकि ज्यादा लोग इस फिल्म के बारे में नहीं जानते। बता दें कि शिखा को दस दिसंबर की रात 10 मेजर स्ट्रोक पड़ा था। उसी वक्त शिखा को मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती करा दिया गया था। इसके बाद उन्हें केम अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। स्ट्रोक के बाद शिखा के दाहिने शरीर का हिस्सा पैरालिसिस हो गया था। आपको बता दें, फिल्मों में अपना कैरियर शुरू करने से पहले शिखा ने नर्सिंग का कोर्स किया था। इसी वजह से जब देश में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे थे तब उन्होंने वॉलंटियर तरीके से नर्स के तौर पर मरीजो की देखभाल करने का फैसला किया। हालांकि जिसके बाद खुद शिखा कोरोना महामारी की चपेट में आ गई और उचित इलाज मिलने के बाद वो जल्दी ठीक भी हो गई।

धर्मेंद्र को विदेश में मिला सम्मान, न्यू जर्सी की सीनेट ने दिया लाइफ्टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

बॉलिवुड के ही-मैन कहे जाने वाले धर्मेंद्र भले ही फिल्मों से दूर हों लेकिन वह सुर्खियों में हमेशा बने रहते हैं। धर्मेंद्र के अभी भी करोड़ों फैन्स हैं और ये केवल इंडिया नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैले हुए हैं। इसी का उदाहरण है कि उन्हें अमेरिका के राज्य न्यू जर्सी के सीनेट और जनरल असेंबली ने लाइफ्टाइम अचीवमेंट से नवाजे जाने का फैसला लिया है। धर्मेंद्र को यह सम्मान हिंदी सिनेमा में अतुलनीय योगदान के लिए दिया जा रहा है। धर्मेंद्र ने अपने 6 दशक के करियर में 300 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया है। इस अवॉर्ड से अभिभूत धर्मेंद्र ने कहा, मैं इस सम्मान को पाकर बेहद खुशी और गर्व महसूस कर रहा हूं। यह अवॉर्ड धर्मेंद्र को ऑनलाइन जूम ऑर्गनाइज किए गए इवेंट पर दिया गया। पहले धर्मेंद्र को यह प्लान न्यू जर्सी के सीनेट में ही दिया जाने वाला था लेकिन बाद में कोरोना वायरस के कारण इस प्रोग्राम को कैंसल कर दिया गया। बॉलिवुड के वेटरन ऐक्टर धर्मेंद्र का गुस्सा फिल्मों में सभी ने देखा है। रियल लाइफमें भी उनके गुस्से के किस्से मशहूर हैं। हेमा मालिनी के लिए उनका प्यार सभी लोग जानते हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो वह हेमा की वजह से सुभाष घई को पीट चुके हैं। यह किस्सा 1981 में क्रोधी फिल्म की शूटिंग का है। फिल्म में धर्मेंद्र, हेमा मालिनी, शशि कपूर और जीनत अमान लीड रोल में थे। रिपोर्ट्स की मानें तो हेमा को एक सीन के लिए बिकीनी पहनना था। सुभाष घई ने जब हेमा से कहा कि उन्हें बिकीनी पहनना है तो उन्होंने मना कर दिया। सुभाष घई ने हेमा से कहा कि यह सीन की मांग है क्योंकि स्वीमिंग पूल के पास होना है। इस पर हेमा ने कहा कि वह रिवीलिंग कपड़े पहन लेंगी लेकिन बिकीनी नहीं पहनेंगी। हेमा मालिनी ने बिना मन के रिवीलिंग कपड़े पहन लिया और सीन दे दिया। यह बात धर्मेंद्र को पता चली तो उन्हें बहुत गुस्सा आया। रिपोर्ट्स की मानें तो सुभाष घई और धर्मेंद्र की इस बात पर बहस हो गई और धर्मेंद्र ने उन्हें पीट दिया। झगड़ा बढ़ा तो फिल्म के प्रड्यूसर रंजीत विर्क ने दखल दिया। रंजीत के समझाने पर धर्मेंद्र का गुस्सा शांत हुआ। बताते हैं कि इसके बाद सुभाष घई ने सीन फिल्म से निकाल दिया। न्यू जर्सी के सेनेटर माइकल डोर्टी ने सेनेट में यह प्रस्ताव पेश किया। सभी 40 सेनेटर्स और जनरल असेंबली के 80 लोगों ने एकमत से इस प्रस्ताव को पास किया। भारत के न्यू यॉर्क काउंसल जनरल के ऐंबेसडर रणधीर जायसवाल ने सेनेटर डोर्टी को यह प्रस्ताव पेश करने के लिए आभार जताया है।

डेविड धवन से नाराज गोविंदा ने बर्थडे विश करने पर वरुण को दिया ये जवाब

गोविंदा ने इस वीक (21 दिसंबर) को अपना जन्मदिन मनाया है। उनके फैन्स और फ्रेंड्स ने सोशल मीडिया पर उनको शुभकामनाएं दीं और प्यार बरसाया। ऐक्टर वरुण धवन ने भी गोविंदा के लिए इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। वरुण गोविंदा

की आइकॉनिक फिल्म की रीमेक कुली नंबर 1 में उनका वाला रोल कर रहे हैं। वरुण ने पोस्ट में गोविंदा की पुरानी तस्वीर लगाई थी। इस पर उनको रिप्लाई भी मिला है। वरुण धवन ने गोविंदा के बर्थडे पर गोविंदा की डेविड धवन के साथ तस्वीर लगाई थी। यह तस्वीर फिल्म कुली नंबर 1 की शूटिंग के वक्त की है। इसमें उन्होंने लिखा है, असली कुली नंबर, गोविंदा हीरो नंबर 1 को जन्मदिन की शुभकामनाएं। इस पर गोविंदा ने जवाब दिया है, थैंक यू बेटा। बता दें कि गोविंदा और डेविड धवन ने करीब 17 फिल्मों में साथ काम किया है। लेकिन दोनों के बीच अनबन की खबरें सुर्खियां बन चुकी हैं। एक टीवी शो के दौरान गोविंदा ने बताया था कि डेविड ने उनके सेक्रेट्री से कहा था कि उनका गोविंदा के साथ काम करने का दिल नहीं करता।

एन0 आलम
सह संपादक
अंदाज ए लखनऊ
Mo : 9889966668
हसीब इदरीसी
विशेष संवाददाता
अंदाज ए लखनऊ
Mo : 9415249966
जगदीश कुमार गौतम
संवाददाता
अंदाज ए लखनऊ
Mo : 7985695040

अंदाज-ए-लखनऊ
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अली हसन द्वारा उमाकान्ती आफसेट प्रिन्टर्स लखनऊ से मुद्रित एवं 67/63 लालकुआं लखनऊ प्रकाशित।
सम्पादक : अली हसन
मो नं.-8604223368
RNI No. UPHIN/2010/33668
Email Id. andazelucknow@gmail.com
प्रबंध संपादक
फ़ैजान सिद्दीकी
उप सम्पादक
मनीष कुमार सच्चिदानंद
ब्यूरो चीफ : राहुल शुक्ला
छायाकार : सदफ हसन (शानू)
समस्त विवादों का निस्तारण लखनऊ न्यायलय के अधीन होगा।